



वार्षिक विवरणी Annual Report

2022-23





भारत 2023 INDIA



वसुधैव कुटुम्बकम्

ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE



सत्यमेव जयते



भारतीय
indian handicrafts
हस्तशिल्प
continuing tradition



अमृत राज आई.पी.ओ.एस.
विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)

Amrit Raj IPoS

Development Commissioner (Handicrafts)
Ministry of Textiles, Government of India



संस्थान की अध्यक्षा का सन्देश

मुझे संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट (2022-23) को प्रस्तुत करते हुए अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है।

आई०आई०सी०टी०, भदोही का प्रदर्शन अपने सभी विभागों, मानव संसाधन विकास, कालीन डिजाइन निर्माण एवं विकास, शोध और विकास तथा उद्योग को तकनीकी सहयोग देने की दिशा में सराहनीय रहा है।

NABL द्वारा प्रमाणित आई०आई०सी०टी०, भदोही की प्रयोगशाला में कालीन के परीक्षण द्वारा तथा टेक्सटाइल इंस्टिट्यूट, मैनचेस्टर एवं राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड द्वारा प्रमाणित बी०टेक० पाठ्यक्रम के सञ्चालन द्वारा संस्थान, कालीन उद्योग के एक भरोसेमंद, दक्ष एवं व्यावसायिक सहयोगी के रूप में एक अहम् भूमिका निभा रहा है। यह संस्थान की मजबूत शैक्षणिक योग्यता का प्रमाण है। मुझे यह जानकर भी प्रसन्नता हो रही है कि आई०आई०सी०टी०, भदोही की प्रयोगशाला के उन्नयन द्वारा जल्द ही हम कालीन उद्यमियों को एक वैश्विक स्तर की कालीन परीक्षण सुविधा उपलब्ध करा पाएंगे। आई०आई०सी०टी०, भदोही की अध्यक्षा के रूप में मैं संस्थान के चतुर्दिक विकास के लिए प्रतिबद्ध हूँ।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि आई०आई०सी०टी०, भदोही न केवल गुणवत्ता के मानको पर खरा उतरेगा बल्कि इसे और अधिक समृद्ध करेगा।

मैं आशा करती हूँ कि आई०आई०सी०टी०, भदोही कालीन उद्योग को और अधिक प्रतिस्पर्धी और विश्व स्तरीय बनाने में मदद करने के अपने प्रयास जारी रखेगा।

अमृत राज

(अमृत राज)

विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) एवं
अध्यक्षा, भा०का०प्रौ०स०



सोहन कुमार झा (आई.ओ.एफ.एस.)
Sohan Kr. Jha (I.O.F.S.)



वरिष्ठ निदेशक (हस्तशिल्प)
कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)
वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार,
पश्चिमी खण्ड-19, रामाकृष्णापुरम,
नई दिल्ली-११० ०६६
Sr. Director (Handicrafts)
Office of the Development Commissioner (Handicrafts)
Ministry of Textiles, Government of India,
West Block-7, R. K. Puram, New Delhi-110 066
Phone : 26178640 Fax No. : 26163085
Website : <http://handicrafts.nic.in>

संस्थान के उपाध्यक्ष का सन्देश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान, भदोही वार्षिक रिपोर्ट 2022-23 में वर्णित सभी विभागों में निरंतर अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

यह भी गर्व का विषय है कि संस्थान के सभी हितधारक संस्थान द्वारा प्रदत्त सेवाओं का प्रभावपूर्ण तरीके से उपयोग कर रहे हैं।

संस्थान के विकास में लगातार सहयोग करने के लिए सभी सदस्यों द्वारा किये गए प्रयासों से भी मैं पूर्णतया आश्वस्त हूँ।

कालीन एवं इससे सम्बंधित उद्यम क्षेत्रों में चलाए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं दी जाने वाली गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के लिए आई०आई०सी०टी० के प्रयास प्रशंसनीय हैं। मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि संस्थान के छात्रों का रोजगार चयन राष्ट्रीय स्तर की अग्रणी कंपनियों में हो रहा है।

इसी प्रकार अन्य क्षेत्रों में भी कालीन उद्योग के विकास में आई०आई०सी०टी० का सक्रिय एवं मित्रवत सहयोग बढ़ाई योग्य है।

मैं कामना करता हूँ कि आई०आई०सी०टी० इसी प्रकार निरंतर प्रयास करते हुए कालीन क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता का केंद्र बने।

(सोहन कुमार झा)

वरिष्ठ निदेशक (हस्तशिल्प) एवं
उपाध्यक्ष भा०का०प्रौ०सं०



प्रो० डा० सनत कुमार पाल, प्रभारी निदेशक
Prof. Dr Sanat Kumar Pal, Director in Charge

संदेश.....



प्रभारी निदेशक के डेस्क से संदेश

संस्थान ने 788 स्नातकों और 7000 से अधिक कारीगरों को विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित करने के साथ अपने कामकाज के 23वें वर्ष में कदम रखा है। पिछले वर्षों में संस्थान द्वारा विकसित मानव संसाधनों ने कालीन और कपड़ा क्षेत्र की सेवा की है। तकनीकी सेवाओं के क्षेत्र में हमारे पास एनएबीएल से मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाएँ हैं और इको परीक्षण की सुविधा भी है जिसका परीक्षण चल रहा है। उत्पाद और प्रौद्योगिकी में विकास के साथ भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में लगातार काम कर रहा है। अच्छी तरह से सुसज्जित डिजाइन स्टूडियो के माध्यम से भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान कालीन डिजाइन के लिए प्रशिक्षण और परामर्श प्रदान करता है। इन उपलब्धियों के साथ, मुझे और मेरी टीम को अपने मिशन के माध्यम से क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने, सहायता और बढ़ावा देकर कालीन, कपड़ा और तकनीकी शिक्षा के प्रासंगिक क्षेत्रों में उत्कृष्टता का केंद्र बनने के हमारे दृष्टिकोण के प्रति आत्मविश्वास प्राप्त हुआ है। उद्योग संस्थान इंटरैक्शन मीट (आई आई आई एम) के माध्यम से हमारे सभी उद्योग भागीदारों/हितधारकों के साथ संस्थान जुड़ा है।

सांस्कृतिक गतिविधि में भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान भदोही ने अपना स्थापना दिवस 1 नवंबर को संस्थान दिवस के रूप में मनाया है। इस अवसर पर हमारी सांस्कृतिक टीम ने संस्थान परिसर, चौरी रोड, भदोही के ओपन एयर थिएटर में शाम 5:30 बजे से एक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया। साहित्यिक समिति ने संस्थान की उपलब्धियों को दर्शाती वार्षिक पत्रिका "ताना-बाना" जारी की है। जनवरी में संस्थान में वार्षिक खेल दिवस मनाया गया और 26 जनवरी को विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। सरस्वती पूजा और विश्वकर्मा पूजा हमारे सभी छात्रों और कर्मचारियों द्वारा जाति और पंथ के बावजूद खुशी के साथ मनाई जाती है। राष्ट्रीय पर्व हमेशा से ही हमारे उत्सव का आकर्षण रहे हैं। एक प्रथा के रूप में द्वितीय वर्ष के छात्र प्रथम वर्ष में नए बैच का स्वागत करते हैं और तीसरे वर्ष के छात्र निवर्तमान अंतिम वर्ष के बैच को विदाई देते हैं। सभी कर्मचारी छात्रों के बीच बंधन की इस रस्म के गवाह बने।

इन सभी गतिविधियों के साथ हम भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान परिवार, संस्थान को एक घर के रूप में विकसित करते हैं।

मैं छात्रों, कर्मचारियों और हमारे सभी हितधारकों को उनके भविष्य के सभी प्रयासों में सफलता की कामना करता हूँ।

हार्दिक सम्मान के साथ।

प्रो. डा. एस. के. पाल

प्रभारी निदेशक, आई. आई. सी. टी.

विषय सूची : Contents

	पृष्ठ संख्या	Page Number	
भा0का0प्रौ0सं0: एक दृष्टि में	01	50	IICT- At A Glance
दृष्टि, मिशन एवं गुणवत्तानीति	02	51	Vision, Mission and Quality Policy
संगठनात्मक ढांचा	03	52	Organizational Structure
कार्यकारिणी समिति	04	53	Executive Committee of IICT
अधिकारियों/कर्मचारियों की सूची	05	54	Officers/ Employees List
सेमिनार में प्रकाशन/और सहभागिता/कार्यशालाएं/सम्मेलन	06-07	55-56	Publications and Participation in Seminar/ Workshops/Conferences
संस्थान के संविभाग	08-19	57-68	Institute's portfolio
प्लेसमेंट अपडेट	20	69	Placement Updates
महत्वपूर्ण आयोजन	21-23	70-72	Important Events
संस्थान में पधारे आगन्तुक	24-25	73-75	Visits to the institute
लेखा परीक्षित विवरण और लेखापरीक्षक की रिपोर्ट 2022-23	26-45	76-95	Audited Statement of Accounts and Auditor's Report 2022-23



विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के कार्यालय द्वारा **भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान**, जिसे आई आई सी टी के नाम से जाना जाता है, की स्थापना 1998 में भारत में सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अन्तर्गत एक पंजीकृत सोसायटी के रूप में की गई

संस्थान ने 2001 में 20 सीटों के साथ बी० टेक० पाठ्यक्रम संचालित कर अपना कार्य प्रारम्भ किया, जो कि अब 60 सीटों हो चुकी है। (कार्पेट एंड टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी) कार्यक्रम, अपनी तरह का एक अनूठा डिग्री प्रोग्राम है, आई आई सी टी की स्थापना कालीन, कपड़ा और अन्य संबंधित क्षेत्रों को हर संभव तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए की गई थी। उद्योग को निरंतर विकास के लिए विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए तकनीकी विशेषज्ञ, अनुसंधान एवं विकास आदि। संस्थान अपने बी.टेक. के माध्यम से उद्योग की लंबे समय से लंबित तकनीकी विशेषज्ञों की मांग को पूरा करने का लगातार प्रयास कर रहा है। इन टेक्नोक्रेट्स को उद्योग जगत ने अपने विभिन्न संगठनों में उचित स्थान दिया है। आई आई सी टी समय-समय पर विभिन्न संगठनों से औपचारिक या अनौपचारिक फीडबैक के माध्यम से हितधारकों की प्रत्याशित आवश्यकताओं को पूरा करने का लक्ष्य रखकर अपने छात्रों को विश्व स्तरीय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। बी.टेक. के अलावा, विभिन्न पाठ्यक्रमों में संस्थान के अन्य प्रशिक्षु भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और संगठनों में अच्छे पदों पर हैं। संस्थान की प्रयोगशालाएँ “(राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड)” से मान्यता प्राप्त हैं जो निर्यातकों को दी जाने वाली इसकी परीक्षण रिपोर्ट को दुनिया के कई देशों में मान्य बनाती हैं। बी.टेक. संस्थान का (सीटीटी) पाठ्यक्रम ए आई सी टी ई , नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित है और एनबीए (राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड) द्वारा मान्यता प्राप्त एवं डा.ए.पी. जे. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ, से भी संबद्ध है।

परिसर एवं सुविधाएँ

आई आई सी टी भदोही में स्थित है जो विश्व में भारत के कालीन बेल्ट के रूप में प्रसिद्ध है। भदोही और आसपास के जिलों के हितधारक अधिकतम स्थानिक लाभ उठा सकते हैं क्योंकि संस्थान भदोही में स्थापित किया गया है। भदोही पवित्र शहर वाराणसी से लगभग 45 किलोमीटर और प्रयागराज शहर से लगभग 75 किलोमीटर और मिर्जापुर से 30 किलोमीटर दूर है। आई आई सी टी का परिसर भदोही रेलवे स्टेशन से 4 किलोमीटर दूर है और भदोही शहर के बाहरी इलाके में मुख्य सड़क जिसे चौरी रोड के नाम से जाना जाता है, पर स्थित है। परिसर सभी प्रकार के प्रदूषण से मुक्त है, अध्ययन और अनुसंधान के लिए एक शांतिपूर्ण वातावरण प्रदान करता है जो 10 एकड़ भूमि में फैला हुआ है, जिसमें अत्याधुनिक प्रशासनिक भवन शामिल है जिसमें कक्षाएँ, प्रयोगशालाएँ, सम्मेलन कक्ष, पुस्तकालय, डिजाइन स्टूडियो और शामिल हैं। कार्यशालाएँ। परिसर में लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग छात्रावास, कर्मचारियों के लिए आवासीय आवास, सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रदर्शन के लिए ओपन एयर थिएटर, खेलों के लिए खुली जगह, जनरेटर द्वारा 24 घंटे बिजली की आपूर्ति और गहरे बोरेवाल वाली जल आपूर्ति प्रणाली जैसी गुणवत्तापूर्ण सुविधाएँ हैं। संस्थान ने सरकार से 16.5 एकड़ जमीन भी प्राप्त कर ली है। उत्तर प्रदेश के भदोही के पिपरिस में, और वर्कशाप शेड, छात्रावास और स्टाफ क्वार्टर के साथ प्रशिक्षण केंद्र जैसी कुछ बुनियादी सुविधाएँ बनाई गई हैं।

दृष्टि

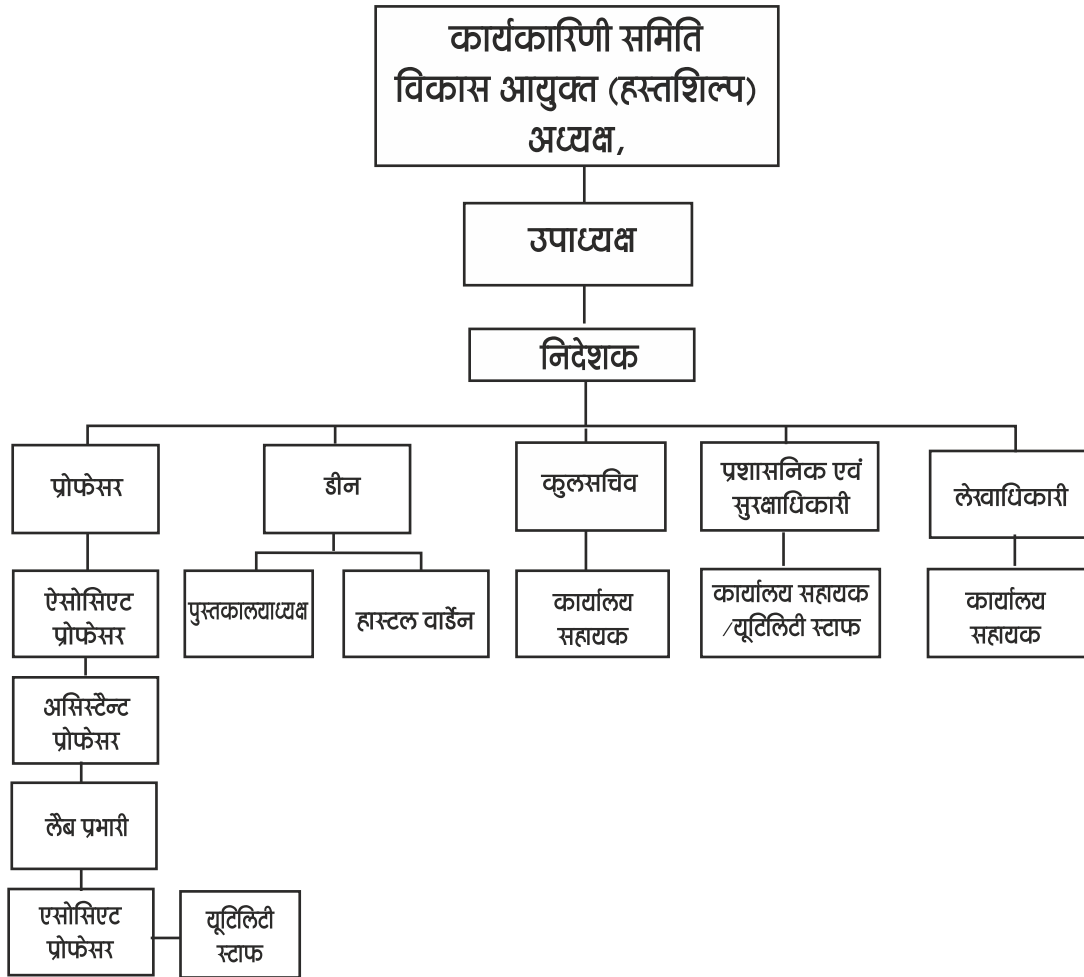
- कालीन, वस्त्र एवं तकनीकी शिक्षा के प्रासंगिक क्षेत्रों को सहायता देने, एवं क्षेत्र के विकास में योगदान कर संस्थान को उत्कृष्टता का केंद्र बनाना।

मिशन

- भारत की सांस्कृतिक विविधता एवं सहयोग की भावना से परिपूर्ण मानव संसाधन को विकसित करना, जो कि कालीन, वस्त्र एवं सम्बन्धित तकनीकी शिक्षा की पूर्ण जानकारी रखते हों।
- कालीन, वस्त्र एवं उससे सम्बन्धित विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में कठोर और अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना।
- कालीन और संबन्धित उद्योगों को तकनीकी सहायता प्रदान करते हुए गहन संपर्क द्वारा डिजाइन विकास और प्रयोगशाला परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराना
- कालीन और संबन्धित क्षेत्रों में उद्यमियों को विकसित करना।
- मानव संसाधन विकास एवं कौशल विकास कार्यक्रमों के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों का गुणवत्तापूर्ण उन्नयन और विकास।

गुणवत्ता नीति

- छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना जो उन्हें हितधारकों की इच्छित आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सक्षम हों।
 - उद्योग और अन्य सभी हितधारकों को सभी विभागों में समय पर और संतोषजनक सेवाएं प्रदान करना।
 - मानकों की आवश्यकताओं के अनुपालन के माध्यम से दिन-प्रतिदिन गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली में सुधार करना
-



1. विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) एवं अध्यक्ष, आई.आई.सी.टी., कार्यालय विकास आयुक्त (एच), वेस्ट ब्लॉक नंबर 7, आर.के. पुरम, नई दिल्ली-110066.
2. वरिष्ठ निदेशक (हस्तशिल्प), उपाध्यक्ष, आई.आई.सी.टी., विकास कार्यालय आयुक्त (हस्तशिल्प), वेस्ट ब्लॉक नंबर 7, आर. के. पुरम, नई दिल्ली - 110066.
3. पदेन-सचिव, लघु उद्योग एवं उद्योग (निर्यात प्रोत्साहन, सरकार। उत्तर प्रदेश, चौथी मंजिल, सचिवालय, लाल बहादुर शास्त्री भवन (एनेक्सी), लखनऊ - 226001 या उनके नामांकित व्यक्ति
4. निदेशक (वित्त), न्यूनतम. कपड़ा विभाग, सरकार। भारत सरकार, उद्योग भवन, नई दिल्ली या उसके नामांकित व्यक्ति।
5. मण्डलायुक्त, विंध्याचल मण्डल, मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश
6. जिलाधिकारी एवं जिलाधिकारी, भदोही, संत रविदास नगर, उत्तर प्रदेश
7. अध्यक्ष/कार्यकारी निदेशक, कालीन निर्यात संवर्धन परिषद, राजीव गांधी हस्तशिल्प भवन, बाबा खड़क सिंह मार्ग, कनाट प्लेस, नई दिल्ली -110001.
8. अध्यक्ष, अखिल भारतीय कालीन निर्माता संघ, मर्यादपट्टी, भदोही
9. सीनियर फैंकल्टी/डीन/रजिस्ट्रार, आई.आई.सी.टी.- निदेशक द्वारा नामित।
10. ईडी, नेशनल सेंटर फॉर डिजाइन (एनसीडी) (कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित), हल नंबर 1, (तीसरी मंजिल), राजीव गांधी हस्तशिल्प भवन, बाबा खड़क सिंह मार्ग, कनाट प्लेस, नई दिल्ली-110001।
11. विभागाध्यक्ष, कपड़ा प्रौद्योगिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हैज़ खास, नई दिल्ली।
12. अध्यक्ष, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), नेल्सन मंडेला मार्ग, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070, या उनके नामांकित व्यक्ति
13. कुलपति, डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी, सेक्टर-11, जानकीपुरम विस्तार, लखनऊ-226031 (यूपी), या उनके नामांकित व्यक्ति.
14. प्रो. एस.पी. बोरकर, डीन (प्रशासन), कपड़ा इंजीनियरिंग विभाग, वीजेटीआई, माटुंगा, मुंबई (महाराष्ट्र).
15. डा. राजेश कुमार, प्रोफेसर, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग डिवाजन, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बनारस हिंदू विश्वविद्यालय), वाराणसी- 221005, उत्तर प्रदेश, भारत
16. श्री वाई.के.राय, मेसर्स काका ओवरसीज लिमिटेड, हरियांव, ज्ञानपुर रोड, भदोही-221 401
17. डीडी/एडी (आई.आई.सी.टी.), कार्यालय डीसी(एचसी), वेस्ट ब्लॉक नं. 7, आर.के.पुरम, नई दिल्ली-110066
18. निदेशक, मेम्बर सेक्रेटरी, आई.आई.सी.टी. भदोही.

वर्ष के दौरान, कार्यकारिणी समिति की सम्पन्न बैठकें

कार्यकारिणी समिति बैठक	वार्षिक सामान्य बैठक
67 वीं कार्यकारिणी समिति बैठक दि. 01.07. 2022 नई दिल्ली में	68 वीं कार्यकारिणी समिति बैठक दि. 29.03. 2023 नई दिल्ली में

31 मार्च 2023 तक की सभी अधिकारी व कर्मचारियों की सूची

क्र.सं.	अधिकारी/कर्मचारी का नाम	पद	योग्यता
संकाय सदस्य			
2.	प्रो० (डा०) सनत कुमार पाल	प्रोफेसर व प्रभारी निदेशक	पी.एच.डी.(एम एस यू-वडोदरा), एम.टेक. एवं बी.टेक.
3.	डा० आर० कर्माकर	एसोसिएट प्रोफेसर	पी.एच.डी.(पूर्वांचल यूनिवर्सिटी-जौनपुर), एम.ए.(पेंटिंग), बी.एफ.ए.
4.	डा० आर.के.मलिक	एसोसिएट प्रोफेसर	पी.एच.डी.(एपीजेएकेटीयू लखनऊ), एम.टेक.(आई आई टी. दिल्ली), बी.टेक.
5.	डा० एस.के.पांडे	एसोसिएट प्रोफेसर	पी.एच.डी.(ए पी एस यू-रीवां), एम सी ए, एम टेक (सीएस), एम बी ए,
7.	डा० बेटी दासगुप्ता	सहायक प्रोफेसर	पी.एच.डी. (आई आई टी.-बी.एच.यू.), बी.एस.सी (टेक)
8.	डा० अणु मिश्र	सहायक प्रोफेसर,	पी.एच.डी. (आई आई टी. दिल्ली), एम.टेक.(आई आई टी. दिल्ली), बी.टेक.,
9.	डा० श्रवण कुमार गुप्ता	सहायक प्रोफेसर,	पी.एच.डी. (एपीजेएकेटीयू लखनऊ), एम.टेक., बी.टेक.,
10.	डा० मोमीता बेरा	सहायक प्रोफेसर,	पी.एच.डी. (आई आई टी. दिल्ली), एम.टेक. बी.टेक., (आई आई टी. दिल्ली),
11.	डा० अतानु मन्ना	सहायक प्रोफेसर,	पी.एच.डी. (आई आई टी. खड़गपुर), एम.एस.सी.(जाधवपुर विश्वविद्यालय)
12.	डा० एच एस मोहापात्रा	सहायक प्रोफेसर	पी.एच.डी. (एन.आई.टी. जालंधर), एम.टेक. बी.टेक., (आई आई टी. दिल्ली),
12.	डा० जयंत देशपांडे	पुस्तकालयाध्यक्ष	पी.एच.डी.(सी.एम.जे.विश्वविद्यालय-मेघालय), एम.लिब., पी.जी.डी.सी.एस.सी.,
ईकाइ प्रभारी			
13.	श्री बी. सी. रे	कार्यशाला प्रभारी	एम टेक (टेक्स. ईजी.), एम एच आर एम, एम ए.(पब्लिक एडमिनि.) एम आई इ
14.	श्री चंद्र शेखर वाजपेयी	डिजाइन प्रयोगशाला प्रभारी	एम.एफ.ए., बी.एफ.ए. (टेक्सटाइल डिजाइन), (दू.क.सं-का.हि.वि.वि)
15.	श्री दीपांकर जाना	रसायन प्रयोगशाला प्रभारी	एम टेक (टेक्स. ईजी.), (आइकेजेपीटीयू-पंजाब)
16.	श्री अनुपम अग्रवाल	भौतिकी प्रयोगशाला प्रभारी	एम टेक (टेक्स. ईजी.), (आइकेजेपीटीयू-पंजाब)
प्रयोगशाला सहायक			
17.	श्री जयहिन्द चौहान	प्रयोगशाला सहायक	टेक्सटाइल प्रोसेसिंग टेक्नालाजी में डिप्लोमा
18.	श्री अमिताभ चटर्जी	प्रयोगशाला सहायक	मेकेनिकल इंजिनियरिंग में डिप्लोमा
19.	श्रीमती प्रीती चौरसिया	प्रयोगशाला सहायक	हैन्डलूम टेक्नालॉजी में डिप्लोमा
20.	श्री गोविन्द यादव	प्रयोगशाला सहायक	बी.टेक.
21.	श्री दर्पण सिंह	कम्यूटरलैब सहायक	एम.सी.ए., एम टेक (सी एस. ई)
प्रशासनिक कर्मचारी			
22.	श्री सिद्धार्थ शुक्ला	प्रशा. एवं सुरक्षाधिकारी	बी.टेक.(सिविल इंजिनियरिंग)
23.	श्री दुर्गेश कुमार त्रिपाठी	लेखाधिकारी	एम. कॉम.
24.	श्री उमाकान्त श्रीवास्तव	प्रशासनिक सहायक	एम.बी.ए.(एच.आर.एम.)
25.	मो० वसीम अंसारी	पुस्तकालय सहायक	एम.बी.ए.(एच.आर.एम.)
अन्य कर्मचारी			
27.	श्री जगदीश	अकुशल श्रमिक	इन्टरमीडिएट
27.	श्री विजय कुमार गुप्ता	इलेक्ट्रिक टेक्नीशियन	आई टी आई (इलेक्ट्रिकल)
28.	श्री नरेश कुमार	ड्राइवर	इन्टरमीडिएट

अनुसंधान प्रकाशन**डा. एम. बेरा**

1. मौमिता बेरा, सुप्रियो चक्रवर्ती, "बुना हुआ एक्टिव वियर", एड. शुभंकर मैती, सोहेल राणा, लपटू पंडित, कुणाल लसद्या "बुनाई प्रौद्योगिकी में प्रगति", एल्सेवियर प्रकाशन, 2021, पृष्ठ 255-305। पेपरबैक आईएसबीएन: 9780323855341, ईबुक आईएसबीएन: 9780323855358.
2. मौमिता बेरा, एड्स शुभंकर मैती में "आक्सेटिक टेक्सटाइल्स", कुणाल लसद्या, लपटू पंडित "फंक्शनल एंड टेक्निकल टेक्सटाइल्स", एल्सेवियर पब्लिकेशन, 2023, पेज नंबर 543- 614, पेपरबैक, आईएसबीएन: 9780323915939, ईबुक आईएसबीएन: 9780323915946।

डा. ए. मन्ना

1. एस. माजी, ए. माजी, और ए. मन्ना, संख्यात्मक त्रिज्या और बेरेजिन संख्या असमानता, जे. गणित.अनल। आवेदन, 517(1) (2023), 126566।
2. बी. दास और ए. मन्ना, हार्डी और काप्सन असमानताओं के सुधार पर, आरएसीएसएम, 117(2), 2023, अनुच्छेद संख्या 92,18 पृष्ठ।

डा. एच.एस. महापात्र

1. एच. एस. महापात्र, ए. मिश्रा और एस. 2022, 233-236.

एफडीपी में संकाय सदस्यों ने भाग लिया**डा. एम. बेरा**

1. टेक्सटाइल इंजीनियरिंग विभाग, जीजेडएससीसीईटी, एमआरएसपीटीयू, बलठडा, पंजाब-151001 द्वारा एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित "द फ्यूचरिस्टिक ट्रेन्स इन टेक्सटाइल एंड अपैरल इंजीनियरिंग (एफटीटीई-2022)" पर एफडीपी 21 से 26 मार्च 2022 तक (6 दिन)।

डा एस. के. गप्ता

1. राष्ट्रीय परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल), गुरुग्राम द्वारा संस्थान में 08/10/2022 से 12/10/2022 तक आयोजित एक सप्ताह के "प्रयोगशाला मूल्यांकनकर्ता प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (मान्यता मानदंड आईएसओ / आई इ सी 17025:2017)" में भाग लिया। औद्योगिक विकास अध्ययन (आईएसआईडी), वसंत कुंज, दिल्ली के लिए।

डा.जयंत देशपांडे

1. 11 जनवरी, 2023 को एसबी.पाटिल इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट लाइब्रेरी द्वारा "लाइब्रेरी सेवाओं को बढ़ाना: अतीत, वर्तमान और भविष्य" पर आयोजित आईक्यूएसी द्वारा शुरू किए गए एक दिवसीय लाइब्रेरियन डेवलपमेंट प्रोग्राम (एलडीपी) में सफलतापूर्वक भाग लिया।

सम्मेलन/कार्यशाला में भाग लिया

डा. ए. मन्ना

1. 'सार और अनुप्रयुक्त विश्लेषण में वर्तमान रुझान' पर अंतराष्ट्रीय आनलाइन सम्मेलन, इवानो-फ्रैंकिव्स्क गणितीय सोसायटी, यूक्रेन, 12-15 मई, 2022।
2. 'अकादमिक लेखन और अनुसंधान पर आनलाइन अंतःविषय पुनश्चर्चा पाठ्यक्रम', टीचिंग लर्निंग सेंटर, तेजपुर विश्वविद्यालय, 16-30, 2022 मई में भाग लिया।

डा. एस. के. गुप्ता

1. टेक्सटाइल एसोसिएशन (इंडिया) के सहयोग से द इंस्टीट्यूशन आफ इंजीनियर्स (इंडिया), कानपुर लोकल सेंटर द्वारा 10-11 सितंबर, 2022 को आई आई टी कानपुर में आयोजित टेक्सटाइल इंजीनियर्स के 34वें राष्ट्रीय सम्मेलन और इनोवेटिव टेक्सटाइल मैटेरियल्स पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। उत्तर प्रदेश इकाई।

डा. एच.एस. महापात्र

1. बायोपॉलिमर पर अंतराष्ट्रीय -सम्मेलन, एशियन पालिमर एसोसिएशन, 14 जुलाई-16 जुलाई 2022।

डा. जयंत देशपांडे

1. दिनांक 1/3/2023 से 5/3/2023 तक भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान, भदोही में हाइब्रिड मोड के माध्यम से "पाठ्यचर्चा विकास और शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार" नामक कार्यशाला में भाग लिया।

सम्मेलन/कार्यशाला/सेमिनार आयोजित

डा. ए. मन्ना

1. इंजीनियरिंग के माध्यम से वैश्विक कल्याण के लिए विज्ञान, आई आई सी टी भदोही में एक दिवसीय सेमिनार, 28/02/2023।

डा. एच.एस. महापात्र

1. पाठ्यचर्चा विकास एवं शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार, आई आई सी टी भदोही, 01/03/2023 से 5/3/2023।

प्रशिक्षण

1. राष्ट्रीय बौद्धिक के अंतर्गत आईपी जागरूकता/प्रशिक्षण कार्यक्रम में सफलतापूर्वक भाग लिया। 05 अगस्त 2022 को संपत्ति जागरूकता मिशन, बौद्धिक संपदा कार्यालय, भारत द्वारा आयोजित किया गया।

भा का प्रौ स

संस्थान के संविभाग

आई आई सी टी, अपने चार विभागों के माध्यम से कार्य कर रहा है :-

1. एच आर डी (मानव संसाधन विकास)	2. डीसीडी (डिजाइन निर्माण और विकास)
3. आर एंड डी (अनुसंधान और विकास)	4. टी एस आई (उद्योग को तकनीकी सहायता)

1- एच आर डी (मानव संसाधन एवं विकास),

ICT PORTFOLIO

कालीन और वस्त्र प्रौद्योगिकी (सीटीटी) में बी.टेक. पाठ्यक्रम:

वर्ष 2001 में शुरू हुआ। इसके बाद, कालीन प्रौद्योगिकी (एसीटी)/होम टेक्स्टाइल टेक्नोलॉजी (एचटीटी)/टेक्स्टाइल डिजाइन टेक्नोलॉजी (टीडीटी) में विशेषज्ञता को भी एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, (एकेटीयू) लखनऊ की उचित मंजूरी के साथ एकीकृत किया गया है। टेक्स्टाइल इंस्टीट्यूट, मैनेज्मेन्ट, यू.के. को मान्यता। आईआईसीटी को विश्वविद्यालय के दो बार स्टार परफार्मिंग इंस्टीट्यूट से सम्मानित किया गया है।

संस्थान से अब तक कुल 788 छात्रों ने स्नातक की उपाधि प्राप्त की है और पूरे भारत और विदेशों में कालीन और कपड़ा उद्योग में नौकरी की है। कई छात्रों ने आईआईटी, एनआईटीआई, आईएसएम, आईआईएम और एनआईएफटी जैसे संस्थानों में उच्च अध्ययन का विकल्प चुना है।

बी.टेक. को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाती है। छात्र. कई छात्रों को उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक से सम्मानित किया गया है। उनका शैक्षणिक प्रदर्शन नीचे दी गई तालिका से स्पष्ट है:-

यूनिवर्सिटी के टेक्स्टाइल ग्रुप के टापर छात्र

बैच	छात्र का नाम स्वर्ण पदक	छात्र का नाम रजत पदक	छात्र का नाम कांस्य पदक
2006 - 2010	अंकित कुमार भगत		
2007 - 2011	निशा कुमारी	पातंजल कुमार	अनुपम अग्रवाल
2010 - 2014			सादिया मक्सूद
2011 - 2015	आमरीन फातिमा	गोविन्द यादव	
2014 - 2018	प्रिया सिंह		शिवांगी शुक्ला
2015 - 2019			गौरव सुनेजा
2016 - 2020			पल्लवी प्रिया
2017 - 2021	दिवंकल सुनेजा		आदर्श मिश्रा
2018 - 2022	अभिषेक यादव		जूही

परीक्षा परिणाम एवं प्रदर्शन

शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के दौरान, 19वें बैच (2019-23) के 53 छात्रों ने बी.टेक उत्तीर्ण किया। परीक्षा सफलतापूर्वक.

आठवें सेमेस्टर में 53 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए।

6वें सेमेस्टर में, 65 छात्रों को चौथे वर्ष (वर्तमान में 7वें सेमेस्टर) में पदोन्नत किया गया।

चौथे सेमेस्टर में, 32 छात्रों को तीसरे वर्ष (वर्तमान में 5वें सेमेस्टर) में पदोन्नत किया गया।

दूसरे सेमेस्टर में, 52 छात्रों को दूसरे वर्ष (वर्तमान में तीसरा सेमेस्टर) में पदोन्नत किया गया।

बी.टेक प्रथम वर्ष में प्रवेश.

बी.टेक कार्यक्रम में प्रवेश. 60 है। (+अतिरिक्त 03 सीट ईडब्ल्यूएस और 03 सीट टीएफडब्ल्यू) इसके लिए प्रवेश दिया जाता है जोसा/सीएसएबी/यूपीटीएसी के माध्यम से।

शुल्क संरचना

बी. टेक पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु शुल्क संरचना नीचे दिया गया है, जो इस प्रकार है:-

बी.टेक. फीस संरचना:

Newly admitted B. Tech. 1 st year & 2nd year Lateral Entry,		
शुल्क मद	राशि (रु.)	
	होस्टेलर	नान- होस्टेलर
ट्यूशन फीस	55,000/-	55,000/-
हॉस्टल की फीस	15,000/-	
कॉशन मनी	5,000/-*	5,000/-*
विकास शुल्क	10,000/-	10,000/-
अन्य शुल्क	15,000/-	15,000/-
अल्यूमनी पंजीकरण शुल्क	1000/-*	1000/-*
मेस चार्ज	34000/-	-----
कुल	1,35,000/-	86,200/-

* नए प्रवेश के समय एक बार इन फीस का भुगतान किया जाता है

सत्र की शुरुआत:

बी.टेक. के लिए नया सत्र 16 अगस्त 2023 से शुरू हुआ। सातवें- सेमेस्टर कक्षाएं और बी.टेक तृतीय और पंचम सेमेस्टर की कक्षाएं 01 सितंबर 2023 से शुरू होंगी, प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं 01 अक्टूबर 2023 से शुरू होंगी .

अल्पावधि पाठ्यक्रम :

बी टेक प्रोग्राम के अलावा,आई आई सी टी विभिन्न रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम आयोजित करता है, जो कि समाज को एक संपूर्ण सेवा प्रदान करता है। उपरोक्त प्रयास के समन्वय में 1138 व्यक्ति को आईएसडीएस के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है और 3500 कारीगरों को सीएचसीडीएस योजना के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है।

माड्यूलर रोजगार योग्य कौशल (एमईएस) आधारित कौशल विकास कार्यक्रम में कंप्यूटर और आईटी इन कारपेट मैनुफैक्चरिंग, कारपेट और टेक्सटाइल डिजाइन का उपयोग करते हुए सीएडी कालीन, यार्न डाइंग कालीन बुनाई, ऊनी सूत की कताई, कालीन की धुलाई और परिष्करण संस्थान द्वारा चलाया जा रहा है। कौशल अंतर को कम करने के लिए 7000 से अधिक कारीगरों को प्रशिक्षित किया गया है।

2. डी0 सी0 डी0 (डिजाइन क्रियेशन एण्ड डेवलपमेण्ट)



IICT PORTFOLIO

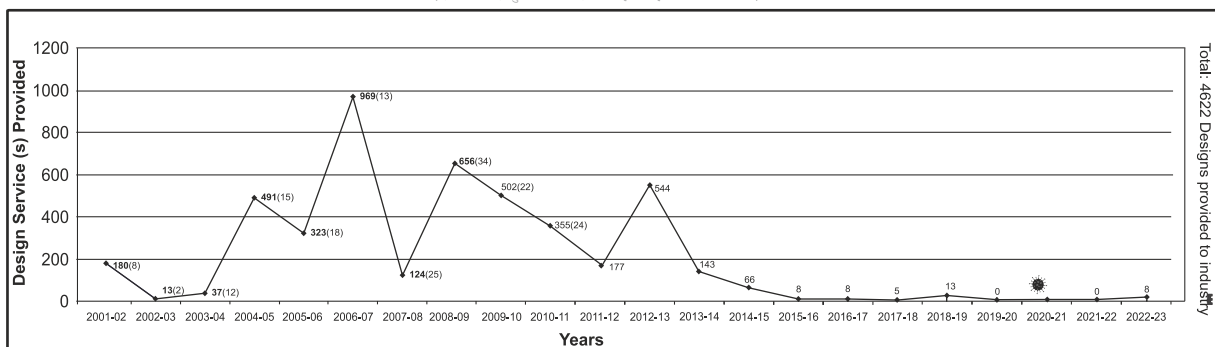
डिजाइन बैंक बनाया गया-

15000 से अधिक डिजाइन ऐसे हैं जिनमें से लगभग 4622 डिजाइनों का उपयोग व्यावसायिक उद्देश्य के लिए उद्योग द्वारा किया गया है। जिसमें 114 डिजाइन बैंक के तहत बनाए गए हैं डिजाइन बैंक की विविधता में पारंपरिक भारतीय रूपांकनों (जैसे: हड़प्पा, अजंता, मुगल, रंगोली, जयपुरी, फुलकारी, कांथा, पैठानी, कलमकारी, बनारसी, जामेवार आदि), आधुनिक रूपांकनों आदि का चलन है। किस्सी कालीन नमूनाकरण मशीन का उपयोग उद्योग द्वारा "18" x "18" आकार के प्रोटोटाइप नमूने विकसित करने के लिए भी किया जाता है।

बड़े पैमाने पर उद्योग आगे आए हैं और सलाह ली है और स्थानीय मूल्य पर डिजाइन बैंक, रचनात्मकता और वैश्विक मूल्य के विकास से लाभान्वित हुए हैं।

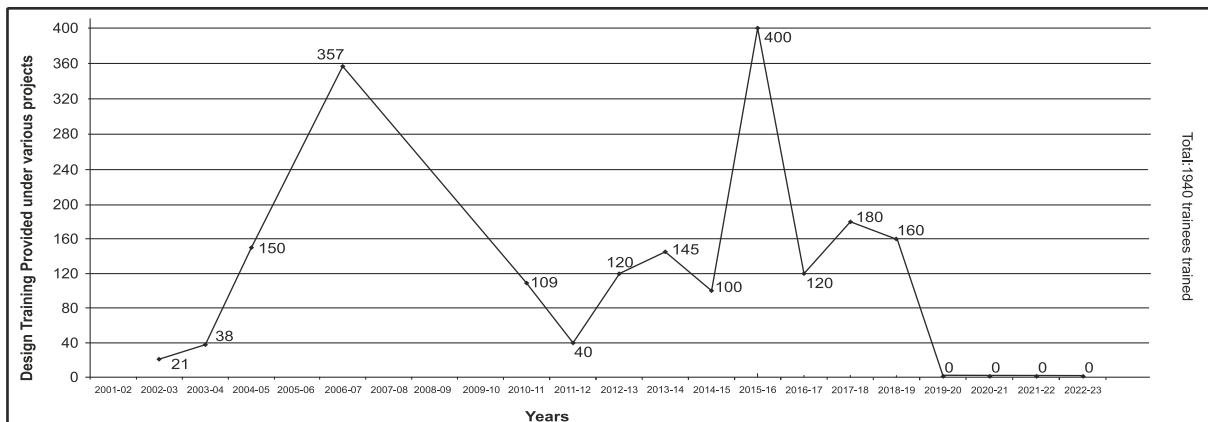
डिजाइन लैब सेवाएँ

(ग्राफिकीय प्रस्तुतिकरण बिंदुों की गई डिजाइनों पर आधारित है।)



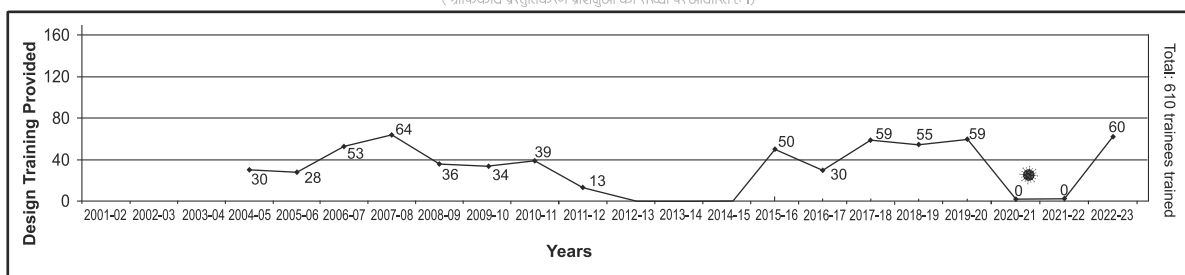
डिजाइन लैब द्वारा विभिन्न परियोजनाओं के अन्तर्गत प्रशिक्षित प्रशिक्ष

(ग्राफिकीय प्रस्तुतिकरण प्रशिक्षुओं की संख्या पर आधारित है।)



डिजाइन लैब द्वारा प्रशिक्षित प्रशिक्ष

(ग्राफिकीय प्रस्तुतिकरण प्रशिक्षुओं की संख्या पर आधारित है।)



स्मार्ट परिधानों के ऊर्जा भंडारण के प्रति नवीन –दृष्टिकोण

स्मार्ट टेक्सटाइल्स पर सभी सेंसर, ड्राइव और अन्य इलेक्ट्रॉनिक घटकों को प्रदर्शन करने की शक्ति की आवश्यकता होती है। लेकिन पारंपरिक सत्ता संरचनाएं कठोर हैं और उनकी बड़ी सीमाएं हैं। समस्या को हल करने के लिए एक लचीला, हल्का, पोर्टेबल स्टोरेज डिवाइस विकसित करना आवश्यक है। सुपर कैपेसिटर उच्च ऊर्जा घनत्व, कम चार्जिंग समय, उत्कृष्ट उत्क्रमणीयता और लंबे जीवन चक्र, ऊर्जा संरक्षण आदि के साथ एक उभरता हुआ ऊर्जा भंडारण उपकरण है।

वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य

फाइबर आधारित सुपर कैपेसिटर विकसित करना और उत्कृष्ट प्रदर्शन को बनाए रखते हुए लचीलेपन के साथ एक ऊर्जा भंडारण प्रणाली का निर्माण करना है। इसे आगे चलकर पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स में उपयोग किया जा सकता है।

उद्देश्य/लक्ष्य	प्राप्त उद्देश्य/लक्ष्य
1) विविध धातु आक्साइडों का प्रयोग करते हुए कार्बन फाइबर आधारित सुपर कैपेसिटर डिवाइस को फैब्रिकेट करना।	इलेक्ट्रोड निर्माण के लिए धातु आक्साइडों के विभिन्न आदर्श संयोजन का अध्ययन किया गया।
2) विभिन्न प्रक्रियाओं के माध्यम से सतह को एक्टिवेट करना।	नैनो आर्किटेक्चर विकसित किये गए एवं हाईड्रोथर्मल डिपोजिशन द्वारा सतह को फेब्रिकेट सतह पर एक्टिवेट किया गया।
3) नमूनों का विश्लेषीकरण/निरूपण।	विभिन्न विश्लेषीकरण वर्णन यथा: मारफोलॉजिकल एवं इलेक्ट्रो केमिकल व्यवहार आदि किए गये।

भविष्य आउटलुक/लाभ

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के भविष्य में स्ट्रेचेबल सर्किटरी, इम्प्लान्टेबल सेंसर और स्मार्ट स्किन के साथ पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल होने की उम्मीद है। उदाहरण के लिए, एक स्मार्ट त्वचा विभिन्न गतिविधियों और स्थितियों में लोगों का समर्थन करने के लिए मानव शरीर में स्वास्थ्य देखभाल डेटा और शारीरिक संकेतों की निगरानी के लिए आन-बाडी सेंसिंग की पेशकश कर सकती है। जैसा कि ऊपर बताया गया है, सुपरकैपेसिटर (एससी) ऐसी प्रणालियों के लिए ऊर्जा भंडारण उपकरण हैं। पहनने योग्य उपकरणों के लिए, फाइबर जैसे कैपेसिटर विशेष रूप से उपयुक्त होते हैं।

माना जाता है कि पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स में संचार और स्वास्थ्य देखभाल, सैनिकों, आपातकालीन कर्मियों, ऊर्जा संचयन आदि क्षेत्रों में काफी संभावनाएं हैं।

सुरक्षा कारणों से सामान्य सुपरकैपेसिटर और बैटरियों को कठोर धातु और/या प्लास्टिक आवरण के अंदर सील कर दिया जाता है। इस प्रकार, वे आमतौर पर आकार में बड़े, वजन में भारी और यांत्रिक रूप से अनम्य होते हैं। इसके विपरीत, वस्त्रों का निर्माण छोटे और लचीले प्राकृतिक या सिंथेटिक रेशों को लंबे 1 डी धागों में कटाई करके किया जाता है, और धागों को आगे 2 डी/3 डी वस्त्रों में बुना या बुना जाता है। अधिकांश वस्त्र अत्यधिक लचीले होते हैं और झुकने या सिकुड़ने के बाद आसानी से ठीक हो जाते हैं और वजन भी तुलनात्मक रूप से कम होता है।

क. उत्पाद विकास

काफी कुछ उत्पाद विकास गतिविधियों को संस्थागत स्तर पर और सहयोग से पूरा किया गया है जिसमें शामिल हैं:

- क्वायर आधारित कालीन
- रेशम का कालीन
- एरी रेशम कालीन
- मोडार्कैटिक आधारित कालीन
- हस्तनिर्मित एस्ट्रोटेफ़ प्रकार का कालीन
- प्राकृतिक फाइबर आधारित कालीन
- प्राकृतिक रंगाई
- पालिएस्टर सैगी के लिए विकल्प
- बुजबुन उत्थान
- वर्टिकल ब्लाइंड
- क्वायर पेपर और क्वायर सिल्क

केरल का क्वायर बोर्ड, कोच्चि के सीसीआरआई, एलेप्पी द्वारा समर्थित एक और क्रांतिकारी अनुसंधान, क्वायर सिल्क के लिए जारी है। प्रतिष्ठित रेयान विनिर्माण सह के साथ वाणिज्यिक स्टेज परीक्षण। (ग्रासिम एंड सेंचुरी रेयान) ने चलाया जा रहा है। मूल्य वृद्धि से नारियल उत्पादकों को फायदा होगा और देश के केरल, तमिलनाडु जैसे नारियल उत्पादन गहन राज्यों में क्वायर पेपर और क्वायर सिल्क उत्पादन के लिए औद्योगीकरण का समर्थन किया जाएगा।
- मेक इन इंडिया मिशन के पूरक पर एक मालिकाना कदम - उद्योग को आगे आने और तलाशने के लिए।

• पीपीई कवरआल (बाड़ी सूट और शू कवर)

पीपीई कवरआल (बाड़ी सूट और शू कवर) दो श्रेणियों में विकसित हुए- डिस्पोजेबल (280 ग्राम) और पुनः प्रयोज्य (300 एनएम)। इसे टेक्नो-केम इंडस्ट्रीज के साथ साझेदारी में विकसित किया गया है। डिस्पोजेबल के मामले में और पुनः प्रयोज्य पीपीई कवरआल में पालिएस्टर पर नानोवेन कपड़े पर एक विशेष कोटिंग किया जाता है। अब तक विकसित पीपीई सूट सांस लेने योग्य नहीं हैं। इसलिए वे सहज नहीं हैं। नव विकसित उत्पाद श्वसन योग्य और हल्के वजन के हैं, इसलिए आरामदायक हैं। यह MoHFW की कठोर आवश्यकता को पूरा करता है और इसलिए डाक्टरों, नर्सों और अन्य पैरा मेडिकल स्टाफ के लिए सिफारिश की जाती है।



Disposable



Reusable

• रेशेदार कचरे का पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग कालीन उद्योग

कालीन उद्योग के अपशिष्ट में ऊन, जूट, पालिएस्टर, नायलॉन आदि जैसे फाइबर शामिल होते हैं। ज्यादातर अपशिष्ट फाइबर को जमीन भरने में भेज दिया जाता है, जो मिट्टी के प्रदूषण को बढ़ाता है। इन अपशिष्ट तंतुओं को पुनर्नवीनीकरण किया जा सकता है और कई तकनीकी रेशेदार संरचनाओं को विकसित करने के लिए पुनः उपयोग किया जा सकता है। कालीन अपशिष्ट के साथ अभिनव उत्पाद की खोज में, कालीन अपशिष्ट और असंतृप्त पालिएस्टर राल के साथ हथ से छंटनी तकनीक द्वारा मिश्रित सामग्री तैयार की गई थी। फाइबर और मैट्रिक्स का अनुपात विभिन्न उपयोग, आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बदल दिया गया था। संस्थान ने दो उत्पाद विकसित किए। जब मैट्रिक्स प्रतिशत को समग्र में उच्च रखा गया था, तो उत्पाद को लकड़ी के प्रतिस्थापन के रूप में उपयोग किया गया था। इसी तरह, जब कंपोजिट में फाइबर का प्रतिशत अधिक रखा जाता था, तो उत्पाद को ध्वनिक सामग्री के रूप में इस्तेमाल किया जाता था।



• अपशिष्ट कालीन से हीलिंग पैड का निर्माण और मूल्यांकन

अपशिष्ट ऊलेन हैंड नॉटेड और हैंड टफ्टेड, सभी 100 ऊनी फाइबर से बने विद्युत रूप से प्रवाहकीय द्वारा बनाया गया था। पॉलीमराइजेशन रिएक्शन होने से पहले, हस्तनिर्मित और हथ से बने टफ्टेड कालीनों की हाइड्रालिसिस सामग्री पर पालीपाइरोल के बेहतर चित्रण के लिए की गई थी। हैंड नॉटेड और हैंड टफ्टेड कार्पेट के लिए क्रमशः सतह की औसत प्रतिरोधकता 1013.08 और 1234.12 माइक्रोन पाइ गई है। यह पीठ दर्द से पीड़ित लोगों के लिए हीलिंग पैड के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।



• हस्त निर्मित कालीन में जूट सामग्री का प्रयोग

इस शोध में, फ़ारसी तथ से बने कालीन और पाईल कालीन में जूट के ढेर के प्रयोग पर एक अध्ययन किया गया है। हस्त निर्मित कालीनों में पाईल यार्न के रूप में तीन प्रकार के वाणिज्यिक यार्न (ऊन, अनुपचारित जूट और वूलोनाइज्ड जूट) के साथ-साथ तीन प्रकार के रासायनिक उपचारित जूट यार्न (हाइड्रोजन पेरोक्साइड ब्लिच, नरम ब्लिच और वूलेनिन यार्न) लगाए गए हैं। हस्तनिर्मित कालीनों के लागत लाभ विश्लेषण से पता चलता है कि जूट यार्न को ढेर के रूप में उपयोग किए जाने पर कुल लागत का सामग्री योगदान घट जाता है।



ख: प्रौद्योगिकी उन्नयन

कालीन उद्योगों में उपयोग की जा रही तकनीक को ग्रेड देने के लिए आई आई सी टी द्वारा सराहनीय प्रयास किए गए हैं। ये हैं :-

- एर्गोनोमिक और लचीले की अवधारणा टपिंग फ़ेम
- क्रास बार हारिजॉन्टल लूम CBHL (लकड़ी) या मेटल का) हैंड नाटेड और तिब्बती, झबरा, सौमक आदि।



Weavers enjoying the comfort while working in CBHL

- **इंडिया नाट : आई. आई. सी. टी. का एक कापी राइट जो** करघे पर सेमी नॉट लगाने की अनुमति देता है। मेक इन इंडिया मिशन का पूरक है . उद्योग आगे आने और तलाशने के लिए।

• स्नेहभा कार्पेट बैकिंग सिस्टम:-

पालीमर बैकिंग टेक्नोलॉजी लाइट वेट वाशेबुल रिपोर्टेड इट्स फीचर एण्ड फिजिबिलिटी इन पब्लिकेशन्स लाइक कार्पेट इ वर्ल्ड



• कार्प कास्ट साफ्टवेयर

संस्थान द्वारा नकल रहित कार्पकास्ट का विकास किया गया है। जो कि सी० डी० के रूप में हस्तनिर्मित कालीनों की लागत गणना के लिए प्रयोग हेतु उपलब्ध है। साफ्टवेयर को और अधिक उपयोगी बनाने के कार्य में संस्थान लगा हुआ है एवं उद्योगों के सहयोग मद्देनजर साफ्टवेयर की कीमत ₹25,000/- से घटाकर ₹5000/- कर दिया गया है।



3- रिसर्च एण्ड डेवलपमेण्ट (आर० एण्ड डी०)

कन्टिन्युअस टपिंग फ्रेम

टपटेड कार्पेट के लिये उपयुक्त

यह एक मैनुअल टपिंग प्रक्रिया है। जिसे हथ से संचालित या इलेक्ट्रिक टपिंग गन का उपयोग कर बड़ी लंबाई के लिए, कन्टिन्युअस कालीन डिजाइन रिपीट के लिए है।

इसमें विशेषताएं हैं जैसे कि :

- आरामदायक काम के माहौल के साथ फ्रेम की एरगोनॉमिक डिजाइन
- इसमें प्राइमरी बैकिंग क्लॉथ की एक रोलर द्वारा लगातार आपूर्ति की जाती है।
- बैकिंग क्लॉथ गाइड के लिए स्पाइक चेन डिवाइस का चौड़ाई के साथ विस्तार
- क्लॉथ रोलर से हैन्ड व्हील द्वारा बैकिंग क्लॉथ का लम्बवत खिंचाव
- ट्रेसिंग पेपर का उपयोग करके एक साथ डिजाइन मुद्रण या ब्लाक प्रिंटिंग का वैकल्पिक उपयोग।
- माध्यमिक नेट के साथ एक साथ लेटेक्स बैकिंग।
- सौर इन्वर्टर द्वारा गर्म हवा से सुखाने वाली प्रणाली (वैकल्पिक)।
- 200 फुट लंबाई तक क्षमता के साथ कालीन उत्पादक रोलर।
- कालीन उत्पादन की बेहतर गुणवत्ता लगभग प्रति 200 वर्ग इंच प्रति घंटे प्रति बुनकर



मैकेनाइज्ड तरीलूम

फ्लोरल डिजाइन की तरी बिनाई के लिए उपयुक्त



मशीन की विशेषताएं :

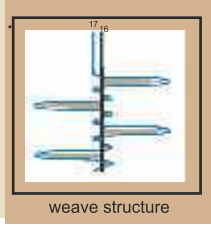
हस्तनिर्मित कालीन बुनाई के लिए यह ऊर्ध्वाधर तरीलूम यह एक बेहतर कालीन डिजाइन करता है।

- वाइजिंग बॉबिन से हैक के लिए व्यवस्था
- आरामदायक कमरे के माहौल में बड़ी लंबाई की वापिंग की व्यवस्था
- तीन फिट के गुणक चौड़ाई में डिजाइन की बुनाई के लिए मैकेनिकल जैकार्ड
- वागे से वागे के बीच का अन्तर और सटीक चौड़ाई समायोजन
- पंजा से बढ़िया ठुकाई के लिए पूरी चौड़ाई
- कालीन रोलर पर ज्यादा लपेटने की क्षमता
- एरगोनॉमिक डिजाइन से बुनकरों को थकान से राहत।

लीनो कार्पेट लूम

पाइल कालीन के लिए उपयुक्त

यह लिनो संरचना के साथ पाइल कालीन का एक ब्राड लूम है। बेहतर टपट विद्युत्वावली फोर्स के लिए खड़ी संरचना। कलर स्ट्राइप्स, छोरों की क्षैतिज पंक्ति के कट या लूप, उत्पादन के बाद एम्बोसिंग या प्रिंटिंग लिनो कालीनों पर डिजाइन तकनीक भारत में कालीन क्षेत्र के लिए हस्तनिर्मित कालीन को फिर से स्थापित करना है



जैकार्ड कार्पेट लूम

पाइल कालीन के लिए उपयुक्त



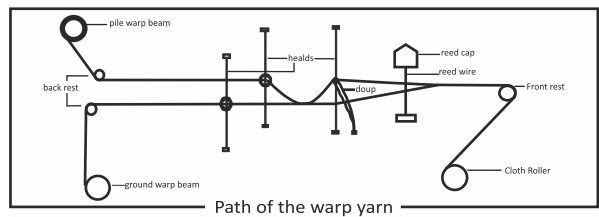
विशेषताएं।

यह फ्लोरल पाइल कालीन डिजाइनों के लिए हथकरघा हेतु एक विकास है।

- पाइल कालीन में लूप/कट संरचना हेतु 2,3,4 या 5 रंगों की डिजाइन के लिए उपयुक्त
- इसमें मैकेनिकल जैकार्ड द्वारा नियंत्रित तानी का शेड द्वारा तानी सम्मिलन करके पाइल बनाई गई हैं
- प्रत्येक रंग पाइल यार्न के लिए 200 क्रील क्षमता।
- सूती तानी बीम से हैल्ड शाफ्ट द्वारा नियंत्रित होते हैं
- जैकवार्ड और हैल्ड शाफ्ट के लिए शेडिंग पांव द्वारा पैडल संचालित।
- वेप्ट पिकिंग के लिए शटल हथ द्वारा संचालित।
- 36 इंच चौड़ाई के लिए 6 पाइल प्रति इंच के लिए बनाया गया है
- कालीन, 3-4 एनएम ऊनी पाइल यार्न के लिए उपयुक्त।
- मैनुअल कट प्लेट का उपयोग करके कार्ड काटने के अंतर्हीन डिजाइन तैयार किए जाते हैं।
- बुनित कालीन के विभिन्न गुणवत्ता हेतु पाइल का उत्पादन विभिन्न मोटाई के तानों 1/4 से 3/4 इंच द्वारा
- दूरदराज के प्राकृतिक गांवों में छोटे बुनकरों के लिए हस्तकला तकनीक है

टेरी लेनो पाइल संरचना

में बुने कालीन का विकास



विशेषताएं

- हथकरघा पर तैयार कालीन।
- इस विशेष हथकरघा में टेरी और लिनो की दोनों तकनीकें हैं।
- हई टपट विद्युत्वावली फोर्स, टेरी-लिनो प्रौद्योगिकी के साथ निर्मित कालीन में हैं
- कट पाइल और लूप पाइल दोनों प्रकार के कालीन तैयार किए जा सकते हैं।

सतत टफ्टिंग फ्रेम (सीटीएफ)

टफ्टिंग कालीन
के लिए
डिजाइन एवं विकसित

द्वारा
भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान
चौरी रोड, इंदरा मिल चौराहा,
भदोही - 221401 (उ.प्र.)

मशीन की विशेषताएं

यह एक मैनुअल टफ्टिंग मशीन है
यह एक हैंड ऑपरेटेड या इलेक्ट्रिक
टफ्टिंग गन द्वारा बड़ी लंबाई की
डिजाइन को लगातार दोहराने के लिए
उपयोगी

इसमें निम्नलिखित विशेषताएं हैं

1. प्राथमिक समर्थन कपड़ा की
सतत आपूर्ति
2. साथ ही साथ ट्रेसिंग की सुविधा
3. ब्लाक डिजाइन मुद्रण का
वैकल्पिक उपयोग
4. लेटेक्स बैकिंग के साथ गर्म हवा
द्वारा सुखाने की सुविधा
5. मशीन के क्लाय रोलर पर
लगातार 200 फीट तक लंबा
कालीन लपेटने की क्षमता।
6. वैकल्पिक सौर इन्वर्टर प्रणाली।



मशीन के पुर्जें:

- 1 - डिजाइन मुद्रण क्षेत्र
- 2 - नुकीली कन्वेयर श्रृंखला
- 3 - प्राथमिक कपड़ा रोलर
- 4 - तनाव युक्ति
- 5 - सुखाने वाला क्षेत्र
- 6 - कालीन रोलर
- 7 - हंड
- 8 - धौकनी
- 9 - ट्रेसिंग पेपर रोलर ले लो
- 10 - शीर्ष गाइड रोलर
- 11 - टलफ्टग जोन
- 12 - कपड़ा विस्तारक
- 13 - निचला गाइड रोलर्स
- 14 - प्रेशर रोलर
- 15 - स्प्रिंग शाकर

1. डिजाइन ट्रेसिंग



2. टफ्टिंग



1. कालीन निर्माण के स्टेप्स



3. लेटेक्स के साथ दूसरी बैकिंग

Patent No.
437254

4. सुखाना

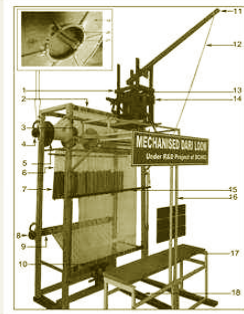


MECHANISED DHURRIE LOOM

Designed & Developed
by
Indian Institute of
Carpet Technology
Chauri Road,
Indra Mill Chauraha,
Bhadohi - 221401 (U.P)

Features of the machines
It is a improved design of Hand
made vertical dhurrie loom with
following features

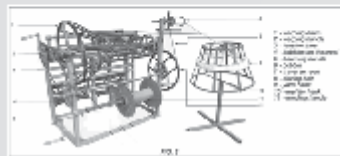
- Arrangement for winding bobbins from hank.
- Arrangement for warping larger length within a comfortable room environment.
- Mechanical jacquard for every two feet width for endless designing capacity
- flexibility to increase width in multiple of two feet width
- uniform end spacing and accurate width adjustment
- full width panja for uniform beat up
- larger winding capacity on carpet roller.
- Ergonomic design relieving weavers from fatigue.



Machine Parts:

- 1- jacquard machine
- 2- top guide roller
- 3- warp spreader
- 4- warp let off ratchet
- 5- section beams
- 6- jacquard harness
- 7- lingoe weights
- 8- take up ratchet
- 9- carpet roller
- 10- guide roller
- 11- Jacquard drive lever
- 12- connecting cord
- 13- knives
- 14 - Pattern cylinder
- 15 - Full width Panja beat up
- 16- casing
- 17- weaver seat
- 18 - foot pedal
- 19 - beam flanges
- 20- beam ruffle
- 23- key way

Warp preparation

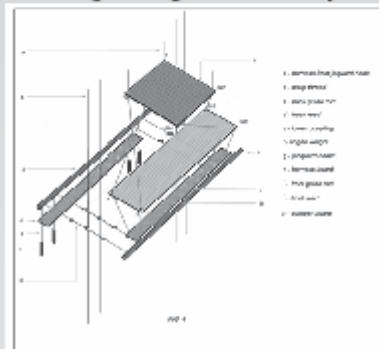


Features

It has an to wind bobbins from yarn hanks and also section beams are prepared from these bobbins.

- Creel hold twenty four bobbins (25)
- Section of twenty four ends wound on Drum
- All section of equal length equal to warp length
- Uniform spacing of ends
- Accurate width of warp.
- All warp under uniform tension
- Small machine accommodated in a room can produce large length and width of warp.

Designing technique



A 12x25 = 300 hook jacquard controls ends up to two feet width of carpet having 1.2 EPI.

Drawing in plan:

EPI	Total ends	Healds drawn
4	96	1,4,7,10
6	144	1,3,5,7,9,11
8	192	1,2,4,5,7,8,10,13
10	240	1,2,3,4,5,7,8,9,10,13
12	288	all



Spreader Device for accurate warp width adjustment on the loom.



Panja Beat-up for full width well beat up

1. एबीसी इंडस्ट्रीज
2. एडीए, भदोही
3. अदनान ट्रेडर्स
4. अग्नि इनोवेट्स प्रा. लिमिटेड
5. अहमद रस, मिर्जापुर
6. अहमदाबाद कलर कंपनी, भदोही
7. अलाउद्दीन एक्सपोर्ट्स
8. अली कार्पेंट
9. अम्बाडी इंटरप्राइजेज
10. एम्सीबी
11. अमीरियन ब्रदर्स
12. अमित ट्रेडर्स
13. अनीसा कार्पेंट, गुड़गांव
14. अंजनी कार्पेंट्स
15. अंसारी गलीचा बाजार
16. आर्सेडियोर इंटरनेशनल प्रा. लिमिटेड
17. अर्चना एक्सपोर्ट
18. आर्ट पैलेस
19. आर्ट पैलेस एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड
20. आर्टेक्स
21. अरविन्द एक्सपोर्ट्स
22. एशियन एक्सपोर्ट्स
23. सहायक आयुक्त वाणिज्य कर, भदोही
24. अरूब रस
25. भदोही आर्ट गैलरी
26. भदोही कार्पेंट्स
27. ब्रिजलैक्स एक्सपोर्ट्स, वाराणसी
28. कैपिटल कारपेट कंपनी
29. कारपेट इंटरनेशनल
30. चम्पो कार्पेंट्स
31. चंदन कार्पेंट्स
32. क्लासिक कस्टम रस, नेपाल
33. सीएसटीआरआई, बेंगलुरु
34. डी.एम., भदोही
35. डी.एस. यार्न ट्रेडर्स
36. दीपक रस
37. डिजाइनर्स डिजायर
38. डा. सौदामिनी महापात्रा, बेंगलुरु
39. ड्रीम रस क्रिएशन्स
40. एवरग्रीन कार्पेंट
41. फ्लोरेक्स
42. फ्लोरिना रस
43. फाई डे रस
44. गर्वी इंटरनेशनल
45. गौरव इंडस्ट्रीज
46. हाफिज़ा आर्ट एंड क्राफ्ट्स प्रा. लिमिटेड
47. हसीदा एन्ड सन्स
48. हमाह रस
49. इंडियन आर्ट गैलरी
50. इंडियन लूम्स
51. इन्डियन रस कलेक्शन
52. इंडो अमेरिकन रस
53. जे एंड वी रस प्राइवेट लिमिटेड, पटियाला
54. जे.आर. एक्सपोर्ट्स, वाराणसी
55. जहाँ रस
56. जयपुर रस कंपनी. प्राइवेट लिमिटेड
57. जमीला आर्ट्स
58. जावी, हरियाणा
59. के बी रस
60. के.डब्ल्यू कारपेट कंपनी
61. कैलाश रग इंडस्ट्रीज
62. कारवां यार्न प्रा. लिमिटेड
63. कास कारपेट यार्न डायर्स
64. के इंटरनेशनल
65. कोरमान इंटरनेशनल
66. खन्ना कार्पेंट कलेक्शन
67. कृतिका क्रिएशन्स
68. कुमार इंटरप्राइजेज
69. लवकुश इंटरनेशनल
70. एम वाई एस रस एंड होम एलएलपी
71. एम.ए. ट्रेडिंग कंपनी।
72. महाजन कार्पेंट्स, वाराणसी
73. महेश कार्पेंट्स, वाराणसी
74. मैम्ब वूलेन्स
75. मकसूद रस
76. मरुधर फैशन
77. मैट्टेक्स
78. मौर्य इंटरनेशनल
79. माया ट्रेडर्स
80. एमडीके टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज
81. मेराकी डिज़ाइन
82. मून्दरा ब्रदर्स
83. नक्शा इंटरप्राइजेज

- | | |
|-------------------------------------|---|
| 84. नम्रता एक्सपोर्ट्स, वाराणसी | 114. रस टेक्सचर एलएलपी |
| 85. निसार रस | 115. रस एन्ड होम |
| 86. नुजरत कारपेट इम्पोर्टिम् | 116. रस मार्ट |
| 87. एनएक्सजी क्रिएशन्स, मिर्जापुर | 117. रूपेश कुमार एंड संस |
| 88. ओएसी ऊलेन्स | 118. साबिर क्रिएशन्स |
| 89. ओम टेपिच एक्सपोर्ट्स | 119. सैफ कारपेट |
| 90. ओपी कारपेट कार्पोरेशन | 120. समद हादी एक्सपोर्ट्स |
| 91. ओपस, भदोही | 121. संजय कुमार एवं पंकज कुमार |
| 92. ओरिएंट कारपेट | 122. संतोष सिंह, वाराणसी |
| 93. ओरिएंट कारपेट, भदोही | 123. शादाब कारपेट्स |
| 94. ओरिएंट पैलेस | 124. शम्सी कलेक्शन |
| 95. परवेज कारपेट | 125. शिम्नान कारपेट्स |
| 96. पाठक कारपेट | 126. श्री साई इंटरेशनल |
| 97. पटोदिया एक्सपोर्ट्स | 127. स्पलेन्डिड कारपेट एम्पोर्टिम्, मिर्जापुर |
| 98. पीसंस प्राइवेट लिमिटेड | 128. संदीप, मिर्जापुर |
| 99. पिहू क्रिएशन्स | 129. सनशाइन रस |
| 100. पिनेकल कारपेट प्राइवेट लिमिटेड | 130. सूर्या कारपेट प्रा. लिमिटेड |
| 101. पालीडाइज | 131. तसवीरा कारपेट |
| 102. पॉश कलेक्शन्स | 132. टेक्स्टको |
| 103. आर.एम.सी. कलेक्शन्स | 133. एलिगेंट रस |
| 104. राज कारपेट, भदोही | 134. द मर्ज प्रोजेक्ट, मुंबई. |
| 105. राज डायर्स | 135. त्रिलोकी कारपेट |
| 106. रमेश कारपेट कंपनी | 136. तुलसीराम गयाप्रसाद प्रा. लिमिटेड |
| 107. रामिशा इंटरनेशनल | 137. तुषार बाँठिया |
| 108. रेयर रस प्रोडक्शन | 138. यूनाइटेड क्रिएशन इंडिया |
| 109. रवि रस प्रा. लिमिटेड | 139. वायदा ओवरसीज, पानीपत |
| 110. ऋषि रस प्रा. लिमिटेड | 140. वाहिद इंटरनेशनल |
| 111. रुद्र रस | 141. वाइडलिव्स इंक, वाराणसी |
| 112. रस बुटीक | 142. विनसम ग्लोबल |
| 113. रस म्यूसियम | 143. जैन और ज़ारा |
| | 144. जौह फ़्लोर कवर्सिंस |



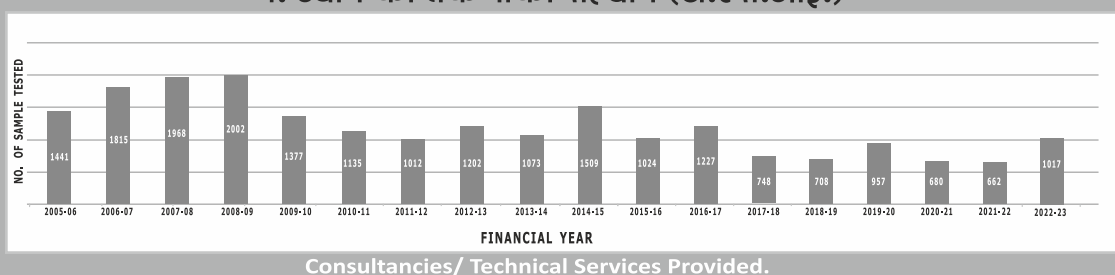
4. टी एस आई उद्योगों को तकनीकी समर्थित सेवाएं

IICT PORTFOLIO
भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान के संविभाग

आई आई सी टी प्रयोगशाला

संस्थान यांत्रिक और रसायन विषयों में अपनी प्रयोगशाला नमूना परीक्षण सुविधाओं के माध्यम से उद्योग को निरंतर तकनीकी सेवाएं प्रदान कर रहा है। यह वैश्विक बाजार के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए कालीन निर्यातकों की जरूरतों को पूरा करने में मदद करता है। ये प्रयोगशालाएँ NABL से मान्यता प्राप्त हैं, इसलिए परीक्षण रिपोर्ट अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य हैं। कालीन उद्योग ने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय खरीदारों की गुणवत्ता आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए उपलब्ध परीक्षण सुविधाओं का उपयोग किया है। आई आई सी टी प्रयोगशाला द्वारा कुल 1017 नमूनों का परीक्षण किया गया है, जिससे वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 10,44,862/- रु. का राजस्व प्राप्त हुआ है। उद्योग अपने व्यावसायिक प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए परामर्श के लिए आई आई सी टी को नियुक्त कर सकते हैं।

4. उद्योग को तकनीकी सहयोग (टी.एस.आई.)



कालीन बन्धु सदस्यों की सूची (31.03.2023 तक)

- | | |
|--|---|
| 1. में0 भोला नाथ इण्टरनेशनल, वाराणसी। | 10. में0 जयपुर रस्स कं0 प्रा0 लि0, जयपुर। |
| 2. में0 सहारा कस्तूरी हैण्डिकाफ्ट्स, लखनऊ। | 11. में0 पटौदिया एक्सपोर्ट्स, भदोही। |
| 3. में0 जया श्री टेक्सटाईल्स, रिसरा। | 12. में0 एन्टीक आर्ट एक्सपोर्ट्स प्रा0 लि0, नोएडा। |
| 4. में0 टैग ब्रदर्स, नई दिल्ली। | 13. में0 समारा कारपेट्स (प्रा0) लि0 |
| 5. में0 ए0बी0सी0 इण्डस्ट्रीज, मीरजापुर। | 14. में0 वेलेसिटी यार्न (प्रा0) लि0 (एसोसिएट सदस्य) |
| 6. में0 पीयरलेस कारपेट पैलेस, भदोही। | 15. में0 चम्पो कारपेट्स, भदोही। |
| 7. में0 जी0 एस0 एल0 टेक्सटाईल इन्डिया प्रा0 लि0, लुधियाना। | 16. में0 कलस्टेक इण्डस्ट्रीज (प्रा0) लि0 |
| 8. में0 कान्सेप्ट किशनस, पानीपत। | 17. में0 जोहा फॅलोर कवरिंग्स |
| 9. में0 ग्लोस्टर जूट मिल्स लि0 कोलकाता। | |

नोट : 1 व 13 आजीवन सदस्य हैं।

❖ संस्थान ने योग्य एवं रुचि रखने वाले उद्योगों / व्यक्तियों को संस्थान का सदस्य बनाने हेतु 'कालीन बन्धु' मंच तैयार किया है। कोई भी इसका आजीवन अथवा सहयोगी सदस्यता कमशः रु0 50,000/- अथवा रु0 4,000/- देकर पा सकता है।

नियुक्ति संचालन हमारे संस्थान का एक अभिन्न अंग है, क्योंकि यह छात्रों को प्रसिद्ध और सम्मानित संगठनों में रोजगार पाने के अवसरों को प्रदान करता है। संस्थान ने अपनी भर्ती प्रक्रिया 2022-23 के सितम्बर माह में प्रारम्भ की थी। अंतः परिसर भर्ती जिसमें आर एस डब्ल्यू एम, वेलस्पन वापी, आर एस डब्ल्यू एम, खारीग्राम राजस्थान, वेलस्पन अंजार, वेलस्पन वापी, वर्धमान लुधियाना, दोधिया सिंथेटिक्स, वापी, क्रिएटिव रान वापी, ओसवाल लुधियाना, जैन कार्पेट आगरा, डोनियर वापी आदि सम्मिलित थे। आई आई टी दिल्ली और एनआईटीआई, मुंबई जैसे प्रमुख संस्थानों में उच्च शिक्षा हेतु कुछ छात्रों ने प्रवेश लिया

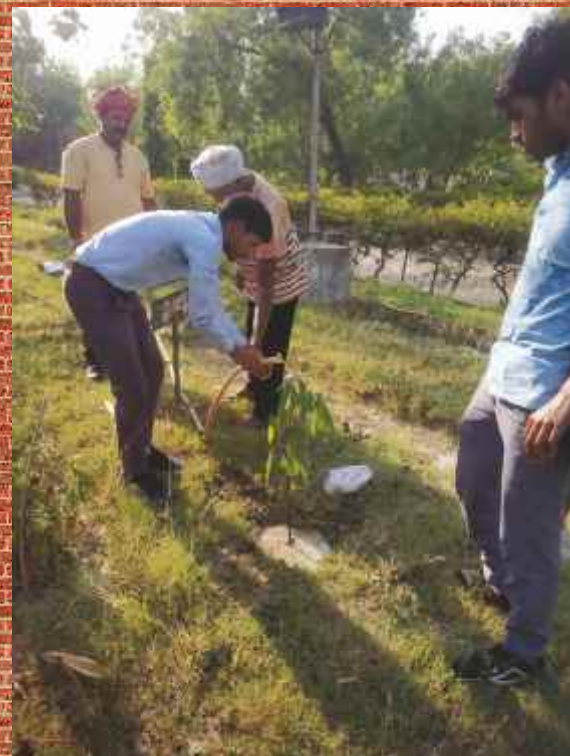
शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में आईआईटीआईसीआई के निवर्तमान छात्रों का अद्यतन नियुक्ति

उद्योग- नियुक्ति उद्योग का नाम/ छात्रों की संख्या	ब. उच्च शिक्षा/ स्वरोजगार
छात्रों की कुल संख्या : 29 अब तक नियुक्त : 29	(जाब व उच्च शिक्षा) : 03
आर एस डब्ल्यू एम, खारीग्राम, राजस्थान : 7 वेलस्पन अंजार : 4 वेलस्पन वापी : 3 वर्धमान लुधियाना : 1 दोधिया सिंथेटिक्स, वापी : 5 क्रिएटिव रान, वापी : 3 ओसवाल, लुधियाना : 2 जैन कार्पेट, आगरा : 1 डोनियर : 1 जयपुर रग्गस : 2	आईआईटीआई दिल्ली, : 2 एन आई टी आई ई मुम्बई : 1
29+3=32/52	20 remaining (5 UPSC and 15 COP)

संस्थान में स्वतःदान



Plantation Day



अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस



भा का प्रौ स

संस्थान में पधारे आगन्तुक

2022-23 के दौरान कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने हमारे संस्थान का दौरा किया। और प्रबुद्ध संकाय, स्टाफ के सदस्य और छात्र।

आगन्तुकों के नाम एवं टिप्पणियां उनके द्वारा लिखित भाषा में यथावत् हैं।

दिनांक	आगन्तुक का नाम एवं पता	टिप्पणी
9/04/2022	Mr. Deepak Mehra + Mr. Ekta Jain + Lukesh + Dhanjyoti	We are really impressed to see the facility + lab and wish this will grow further. Dhanjyoti
26/04/2022	Dr. Katan Reddy King's College London	An Exceptional institute that is driven towards providing excellent teaching to its students + work towards the development of the artisans + workers of Bharat. We were given very insightful information and each thing was explained in detail by D. Jana. Very thankful to the institute, direction + D. Jana for their willingness + excellent tour + insights into carpet industry. Dr. Katan Reddy 26/04/22
12.08.22.	G.S. Khatri ED, CNDB	This institute have wonderful facility of testing and workshop. It was learning experience to have first hand view on carpet processes. Being collaborative partners of mod. board, we are hopeful that our combined efforts would lead to further development in wool sector. G.S. Khatri

भा का प्रौ स

संस्थान में पधारे आगन्तुक

2022-23 के दौरान कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने हमारे संस्थान का दौरा किया। और प्रबुद्ध संकाय, स्टाफ के सदस्य और छात्र।

आगन्तुकों के नाम एवं टिप्पणियां उनके द्वारा लिखित भाषा में यथावत् हैं।

दिनांक	आगन्तुक का नाम एवं पता	टिप्पणी
9/09/2022	Mr. Bobby Singh 8299876994 Vanita Institute of Fashion & Design Lahurabi, Varanasi Principal Ma'am -- 8853979662	It's a great opportunity to visit this Institute. All the facilities are wonderful and very impressive and All the labs are well equipped. Thank you Singh 9/09/2022
29/11/2022	Khusboo Anshu, Ankita Bahl, Shankar Suman plus 30 students - Vanita Public School, Lahurabi, Varanasi. M.No. - 8299832548	IIT have very nice facility of various tools regarding carpet, textile and it had a great opportuni- ty to visit this Institute & with many new things to learn & explore with new instruments. All the staff supported & helped in gaining with new knowledge. Your University is very beautiful and Thank you for interesting experiance. Very nice character! We would never forget it!
14/01/2023	Monika Prasanna, Of P.K. Company, Rusli	
16/03/23	Barot Lal Singh, SANCOS c/o - Deputy Director of Textiles, Bargarh (Odisha) cell. 9937752686	Exposure visit of Handloom weaving (10 row) + 2 row handloom This is first of its kind in the sector of Bargarh dist. This loom & loom frame need technique of weaving - Singh - 16/3/23